अगस्त 2026

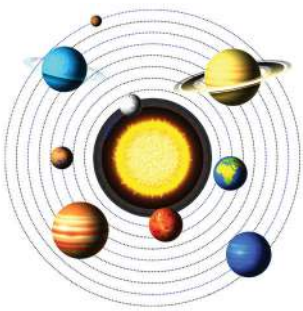

नक्षत्रों की वाणी

मेष

नवग्रहों की गणनानुसार समय आपके लिये मिश्रित फलकारक है कार्य स्थल पर कार्य करने की अधिकता के कारण भागदौड़ और व्यस्तता रहेगी और आपके परिश्रम का आपको फल भी प्राप्त होगा परिणाम स्वरूप आपको आश्चर्यजनक धन लाभ होगा, किन्तु आपको अनावश्यक खर्च को नियन्त्रित भी करना होगा। साथ ही भाईयों से चले आ रहे विवाद का अन्त होने से शान्ति का अनुभव होगा अनुकूलता हेतु **'पुष्प दन्तेश्वर शिव साधना'** (जुलाई 2026) सम्पन्न करें। शुभ तिथियां - 6, 10, 23, 28 हैं।

वृषभ

इस माह मान-सम्मान में वृद्धि होगी, लोग आपके कार्य का सम्मान करेंगें। जिससे आत्मविश्वास बढ़ेगा, नौकरी क्षेत्र से जुड़े व्यक्ति कार्यस्थल पर अपना प्रभाव और वर्चस्व बनाने में सफल होंगे, व्यापार क्षेत्र से जुड़े व्यक्ति अपनी आय के संसाधन बढ़ाने के लिये प्रयास करेंगें। महत्वपूर्ण कार्य करते समय सावधानी रखें, आर्थिक पक्ष को लेकर सावधानी रखने की आवश्यकता है तथा इस माह उधार लेने और देने से बचें। अनुकूलता हेतु **'विन्ध्यवासिनी साधना'** (जून 2026) सम्पन्न करें। शुभ तिथियां - 2, 12, 20, 31 हैं।

मिथुन

ज्योतिष की गणना से पता चलता है कि वर्तमान समय आपके लिये चारों तरफ से सफलतादायक है समाज में आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। नौकरी क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों को प्रमोशन के रूप में सफलता प्राप्त होगी। वहीं व्यापार क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों को आर्थिक लाभ होगा। लम्बे समय से संतान से सम्बन्धित चली आ रही समस्या के निदान होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। आप अनुकूलता हेतु सद्गुरुदेव से **'लक्ष्मी आबद्ध दीक्षा'** ग्रहण करें। शुभ तिथियां - 4, 13, 15, 30 हैं।

कर्क

क्रोध में व्यक्ति के सोचने-समझने की शक्ति समाप्त हो जाती है इसलिये क्रोध से बचें और व्यर्थ के लड़ाई-झगड़ों से दूर रहें। समय उन्नति और प्रगति करने का है राजकीय कार्य में आशातीत सफलता प्राप्त होगी, किन्तु आपकी उन्नति से ईर्ष्या और द्वेष रखने वाले गुप्त शत्रुओं से सावधान रहने की आवश्यकता है। इस माह संतान से सम्बन्धित महत्वपूर्ण कार्य पूर्ण होने से हर्ष का वातावरण रहेगा। आप अनुकूलता हेतु **'बृहस्पतिश्वर शिव साधना'** (जुलाई 2026) सम्पन्न करें। शुभ तिथियां - 4, 16, 24, 30 हैं।

सिंह

जीवन में व्यक्ति को सब कुछ दुबारा मिल सकता है किन्तु समय एक ऐसी चीज है जो दुबारा लौटकर नहीं आता इसलिये समय का सदुपयोग करें और अपनी उन्नति और प्रगति के लिये क्रियाशील रहें। व्यापार इत्यादि में धन का निवेश सोच-समझकर करें। दाम्पत्य सुख में वृद्धि के साथ जीवन साथी का सहयोग आपको आगे बढ़ने में सहायक होगा। परिवार में किसी के स्वास्थ्य को लेकर अस्पताल जाना पड़ सकता है, आप **'तंत्र उत्कीन त्रिपुरा साधना'** (जुलाई 2026) सम्पन्न करें। शुभ तिथियां - 7, 15, 23, 27 हैं।

कन्या

जीवन में धोखा अथवा विश्वासघात तब ही होता है जब वह आंख बंद कर लोगों पर विश्वास करते है। इसलिये अंध विश्वास से बचने का प्रयास करें। आपके परिश्रम का फल आपको प्राप्त होने जा रहा है नौकरी में प्रमोशन प्राप्त हो सकता है, व्यापार क्षेत्र से जुड़े व्यक्ति व्यापार बढ़ाने के अवसर प्राप्त होंगे, नये व्यक्तियों से सम्बन्ध बढ़ेंगे जिसका आपको लाभ होगा। अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। अनुकूलता हेतु सद्गुरुदेव से **'भाग्योदय दीक्षा'** अवश्य ग्रहण करें। शुभ तिथियां - 8, 12, 17, 29 हैं।

तुला

वर्तमान समय मिश्रित फलकारक है इस माह आपको आपके परिश्रम का पूर्ण फल प्राप्त होगा किन्तु अनायास अनावश्यक खर्च आपको परेशान कर सकते हैं। इस माह आप अपने कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न करें अन्यथा उच्च अधिकारीयों के क्रोध का सामना करना पड़ सकता है परिवार में व्यर्थ की बात को लेकर वाद-विवाद की स्थिति बन सकती है, इसलिये आप शान्त और संयमित रहें। अनुकूलता हेतु सद्गुरुदेव से **'पाशुपतास्त्रेय दीक्षा'** ग्रहण करें। शुभ तिथियां - 2, 11, 15, 24 हैं।

वृश्चिक

नवग्रहों के प्रभाव से मन में कुछ उलझनें रह सकती है। कार्य स्थल पर कार्य की अधिकता से स्वयं को मानसिक रूप से थका हुआ अनुभव करेंगें। किन्तु याद रखे व्यक्ति का सबसे बड़ा धन उसका स्वास्थ्य होता है, इसलिये कार्य की अधिकता में इसकी उपेक्षा न करें। इस माह जीवन में कुछ महत्वपूर्ण परिवर्तन हो सकते है, नौकरी इत्यादि में हो रहे परिवर्तन को खुले मन से स्वीकार करें। अनुकूलता हेतु सद्गुरुदेव से **'प्रबल शुक्र तेजस्विता दीक्षा'** ग्रहण करें। शुभ तिथियां - 8, 17, 24, 31 हैं।

धनु

किसी समस्या के लिये चिन्ता करने की अपेक्षा बुद्धि और विवेक से उसका निदान करना चाहिये। आप भी भविष्य की चिन्ता छोड़कर बुद्धि-विवेक से भविष्य की योजना बनाकर कार्य करें। परिवार और व्यवसायिक जीवन में सामंजस्य बनानें का प्रयास करें। बेरोजगार व्यक्तियों का संघर्ष समाप्त होगा, उन्हें योग्यता अनुरूप रोजगार की प्राप्ति हो सकती है। विद्यार्थी वर्ग को भी उनके परिश्रम के अनुरूप सफलता प्राप्त होगी। अनुकूलता हेतु **'वार्ताली तीव्र तंत्र स्तम्भन साधना'** (जून 2026) सम्पन्न करें। शुभ तिथियां - 2, 17, 24, 28 हैं।

मकर

कार्य जब योजनाबद्ध रूप से किया जाता है तो निश्चित रूप से सफलता प्राप्त होती है। इस माह आप व्यापार विस्तार के लिये योजना बनाकर बुद्धि-विवेक के साथ कार्य करें, परिणाम स्वरूप आय के संसाधनों में वृद्धि होगी। अपने अनावश्यक खर्च को नियन्त्रित करें अन्यथा दिक्कत का सामना करना पड़ेगा। लम्बे समय से अटके कार्य पूर्ण होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। प्रेम सम्बन्धों में सफलता प्राप्ति का योग है। सद्गुरुदेव से **'इन्द्र वैभव वर्चस्व दीक्षा'** अवश्य ग्रहण करें। शुभ तिथियां - 4, 10, 21, 31 हैं।

☆ **सर्वार्थ सिद्धि योग** - 2, 4, 8, 16, 20, 21, 23, 30 अगस्त / 1, 3, 7, 8, 13, 16 सितम्बर ☆ **अमृत योग** - 4, 8, 16 अगस्त / 1, 13, 26, 29 सितम्बर ☆ **द्विपुष्कर योग** - 9 अगस्त ☆ **त्रिपुष्कर योग** - 25, 29 अगस्त / 12 सितम्बर ☆

कुम्भ

क्रोध वह अग्नि है जो व्यक्ति की सोचने समझने की शक्ति समाप्त कर देती है। इसलिये आप क्रोध को अपने से दूर रखें अन्यथा अपना ही नुकसान कर बैठेंगें। आप शान्त संयमित रहते हुये कर्म करते रहें, कोर्ट-कचहरी के मामले में थोड़ी दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है। बेरोजगार व्यक्तियों को भी इंटरव्यू इत्यादि में सफलता प्राप्त होगी साथ ही लम्बे समय से अटके धन की प्राप्ति होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। अनुकूलता हेतु **'चन्द्रमौलिश्वर साधना'** (जून 2026) सम्पन्न करें। शुभ तिथियां - 2, 19, 23, 30 हैं।

मीन

इस माह का प्रारम्भ थोड़ा परेशानी से युक्त रहेगा, जिस कारण आप शरीर और मन दोनों से थका हुआ और अस्वस्थ महसूस करेंगें। किन्तु जल्द ही परेशानी के बादल हटने लगेंगें, कोर्ट सम्बन्धित मामलों में थोड़ी सावधानी रखें। भविष्य के लिये यदि निवेश की योजना है तो सोच-विचारकर ही करें। विद्यार्थी वर्ग अपने लक्ष्य को दृष्टिगत रखकर कर्म करते रहें, समय आपके पक्ष में है। अनुकूलता हेतु सद्गुरुदेव से **'तंत्र उत्कीलन त्रिपुरा दीक्षा'** (जुलाई 2026) ग्रहण करें। शुभ तिथियां - 3, 12, 17, 24 हैं।

इस मास के व्रत, पर्व एवं त्यौहार

15 अगस्त	श्रावण शु.-03	शनिवार	स्वतंतत्रा दि./ ह. तीज
17 अगस्त	श्रावण शु.-05	सोमवार	श्रावण सोमवार
23 अगस्त	श्रावण शु.-11	रविवार	पुत्रदा एकादशी
24 अगस्त	श्रावण शु.-11	सोमवार	श्रावण सोमवार
28 अगस्त	श्रावण शु.-15	शुक्रवार	रक्षा बंधन
31 अगस्त	भाद्रपद कृ.-03	सोमवार	कज्जली तीज
04 सितम्बर	भाद्रपद कृ.-08	शुक्रवार	श्रीकृष्ण जन्माष्टमी
07 सितम्बर	भाद्रपद कृ.-11	सोमवार	अजा एकादशी

काल निर्णय

साधक, पाठक तथा सर्वजन सामान्य के लिए समय का वह रूप यहां प्रस्तुत है; जो किसी भी व्यक्ति के जीवन में उन्नति का कारण होता है तथा जिसे जान कर आप स्वयं अपने लिए उन्नति का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं।

नीचे दी गई सारिणी में समय को श्रेष्ठ रूप में प्रस्तुत किया गया है - जीवन के लिए आवश्यक किसी भी कार्य के लिये, चाहे वह व्यापार से सम्बन्धित हो, नौकरी से सम्बन्धित हो, घर में शुभ उत्सव से सम्बन्धित हो अथवा अन्य किसी भी कार्य से सम्बन्धित हो, आप इस श्रेष्ठतम समय का उपयोग कर सकते हैं, और सफलता का प्रतिशत **99.9%** आपके भाग्य में अंकित हो जायेगा।

ब्रह्म मुहूर्त का समय प्रातः 4.24 से 6.00 बजे तक ही रहता है।

वार/दिनांक	श्रेष्ठ समय	
रविवार (अगस्त 2, 9, 16, 23, 30) (सितम्बर 6, 13)	दिन रात	06:00 से 10:00 तक 06:48 से 07:36 तक 08:24 से 10:00 तक 03:36 से 06:00 तक
सोमवार (अगस्त 3, 10, 17, 24, 31) (सितम्बर 7, 14)	दिन रात	06:00 से 07:30 तक 10:48 से 01:12 तक 03:36 से 05:12 तक 07:36 से 10:00 तक 01:12 से 02:48 तक
मंगलवार (अगस्त 4, 11, 18, 25) (सितम्बर 1, 8)	दिन रात	06:00 से 08:24 तक 10:00 से 12:24 तक 04:30 से 05:12 तक 07:36 से 10:00 तक 12:24 से 02:00 तक 03:36 से 06:00 तक
बुधवार (अगस्त 5, 12, 19, 26) (सितम्बर 2, 9)	दिन रात	07:36 से 09:12 तक 11:36 से 12:00 तक 03:36 से 06:00 तक 06:48 से 10:48 तक 02:00 से 06:00 तक
गुरुवार (अगस्त 6, 13, 20, 27) (सितम्बर 3, 10)	दिन रात	06:00 से 08:24 तक 10:48 से 01:12 तक 04:24 से 06:00 तक 07:36 से 10:00 तक 01:12 से 02:48 तक 04:24 से 06:00 तक
शुक्रवार (अगस्त 7, 14, 21, 28) (सितम्बर 4, 11)	दिन रात	06:48 से 10:30 तक 12:00 से 01:12 तक 04:24 से 05:12 तक 08:24 से 10:48 तक 01:12 से 03:36 तक 04:24 से 06:00 तक
शनिवार (अगस्त 1, 8, 15, 22, 29) (सितम्बर 5, 12)	दिन रात	10:30 से 12:24 तक 03:36 से 05:12 तक 08:24 से 10:48 तक 02:00 से 03:36 तक 04:24 से 06:00 तक

आज क्या करना है - वराहमिहिर वचन

किसी भी कार्य को प्रारम्भ करने से पूर्व प्रत्येक व्यक्ति के मन में संशय-असंशय की भावना रहती है कि यह कार्य सफल होगा या नहीं, सफलता प्राप्त होगी या नहीं, बाधाएं तो उपस्थित नहीं हो जाएंगी, पता नहीं दिन का प्रारम्भ किस प्रकार से होगा, दिन की समाप्ति पर वह स्वयं को तनावरहित कर पायेगा या नहीं? प्रत्येक व्यक्ति कुछ ऐसे उपाय अपने जीवन में अपनाना चाहता है, जिनसे उसका प्रत्येक दिन उसके अनुकूल एवं आनन्दयुक्त बन जाए। कुछ ऐसे ही उपाय आपके समक्ष प्रस्तुत हैं, जो वराहमिहिर के विविध प्रकाशित-अप्रकाशित ग्रंथों से संकलित हैं, जिन्हें यहां प्रत्येक दिवस के अनुसार प्रस्तुत किया गया है तथा जिन्हें सम्पन्न करने पर आपका पूरा दिन पूर्ण सफलतादायक बन सकेगा।

अगस्त - 2026

16. गणेशजी को **'ॐ गं गणपतये नमः'** बोलकर इक्कीस बार दूर्वा अर्पित करें।
17. **श्रावण के तृतीय सोमवार** पर **'रसेश्वर शिव अभिषेक साधना'** (जुलाई 2026) सम्पन्न करें।
18. **श्रावण शु. षष्ठी** पर के **कल्कि जयन्ती** पर सद्गुरुदेव से **'क्रियमाण भाग्योदय दीक्षा'** ग्रहण करें।
19. तेल का दीपक जलाकर घर के बाहर रख दें।
20. आज प्रातः गुरु स्मरण कर घर से निकलें।
21. **'गुरु जन्म'** दिवस पर विशेष गुरु पूजन कर, गुरु सेवा का संकल्प लें।
22. काले उड़द काला वस्त्र दान करें, धन लाभ होगा।
23. **पुत्रदा एकादशी** के शुभ मुहूर्त संतान के सौभाग्यवृद्धि हेतु **'संतान गोपाल साधना'** (पृष्ठ सं. 27) करें।
24. **श्रावण के चतुर्थ सोमवार** पर **'रसेश्वर शिव अभिषेक साधना'** (जुलाई 2026) सम्पन्न करें।
25. **मूंगा माला** (न्यौ. 300/-) का पूजन कर धारण करें।
26. अपने इष्ट का स्मरण कर दिन का आरम्भ करें।
27. प्रातः गुरु आरती अवश्य सम्पन्न करें।
28. **रक्षा बंधन** पर **'गुरु रक्षा सूत्र'** (पृष्ठ सं. 52) धारण करें और चन्द्र ग्रहण काल में **'मदनाक्षी अप्सरा साधना'** (पृष्ठ सं. 17) प्रारम्भ करें।
29 हनुमान विग्रह पर तेल और सिन्दूर अर्पित करें।
30. भगवान सूर्य कुंकुम, अक्षत मिश्रित जल से अर्घ्य दें।
31. **कज्जली तीज** के शुभ योग में सद्गुरुदेव से **'आद्या विभूषिणी योगिनी दीक्षा'** ग्रहण करें।

सितम्बर - 2026

1. आज दर्पण में मुख देख कर घर से निकलें, कार्य सिद्धि होगी।
2. आज **'गणेश आरती'** अवश्य सम्पन्न करें।
3. नारायण पूजन कर ही कार्य पर जायें, सफलता मिलेगी।
4. **श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, महाकाली जयन्ती** पर सद्गुरुदेव से **'लक्ष्य सिद्धि क्लीं दीक्षा'** (पृष्ठ सं. 11) ग्रहण कर साधना सम्पन्न करें और **'महाकाली दीक्षा'** (पृष्ठ सं. 13) ग्रहण साधना सम्पन्न करें।
5. काले तिल का दान करें, बाधा समाप्त होगी।
6. जल में कुंकुम, अक्षत मिश्रित कर सूर्य को अर्घ्य दें।
7. भगवान विष्णु का पूजन कर **'तुलसी दल'** अर्पित करें।
8. **'हनुमान कवच'** (न्यौ. 5100/-) पूजन कर, लाल धागे में धारण करें, सर्वकार्य सिद्धि होगी।
9. कागज पर **'ऐं'** बीज लिखकर शिवलिंग पर चढ़ा दे।
10. **'अघोर चतुर्दशी'** आरोग्य प्राप्ति हेतु सद्गुदेव से 'महामृत्युंजय दीक्षा' (पृष्ठ सं. 00) ग्रहण करें।
11. आज किसी निर्धन व्यक्ति को भोजन करायें, बाधा समाप्त होगी।
12. किसी शिव मंदिर में काले उड़द भेंट करें।
13. सूर्य को अर्घ्य प्रदान कर ही दिन का आरम्भ करें।
14. **गणेश चतुर्थी** के शुभ अवसर **'सिद्धिदायक गणपति साधना'** (पृष्ठ सं. 62) सम्पन्न कर, सद्गुरुदेव से **'कार्य सिद्धि गणपति दीक्षा'** (पृष्ठ सं. 64) ग्रहण करें।
15. **'ऋषि पंचमी'** पर सद्गुरुदेव का पंचोपचार पूजन अवश्य सम्पन्न करें।